Subscribe | Past Issues | Translate

View this email in your browser

शिक्षा संस्कार ॐ सहभागिता समरसता

बांसवाड़ा परियोजना

कार्यालय –भारत माता मन्दिर, राती तलाई, बांसवाड़ा (राज.) 327001
फेक्स : 02962–240018, फोन नं. 02962–240018, मो. नं. 9414101912, 9414102261
Email : bharatmatamandirnyas@gmail.com ♦ Website : www.banswarapariyojana.com

माह - अक्टूबर 2018 (भाद्रपद–अश्विन) युगाब्द–5120–5121 वि.सं.–2075–2076 अंक - 2

वाल्मीकि जयंती महोत्सव

सामाजिक समरसता के लिए बांसवाड़ा परियोजना द्वारा अनुसूचित जनजाति बहुल्य गावों व मोहल्लो में संतो व सम्पूर्ण हिन्दू समाज के उपस्थिति में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हवन यज्ञ, शोभायात्रा व सामूहिक प्रसाद (भोजन) ग्रहण करने की योजना के अंतर्गत 16 स्थानों पर कार्यक्रम सम्पन्न हुए, सभी स्थानों पर हवन यज्ञ के कार्यक्रम हुए, संतो के प्रवचन हुए, इन सभी कार्यक्रमों में योजनापूर्वक परियोजना प्रमुख रामसवरूप जी महाराज ने महर्षि वाल्मीकि के महान जीवन के बारे में बताया की वह विद्वता के साथ ही वीरता में भी श्रेष्ट त्रिकालदर्शी महापुरुष थे, सब कुछ जानते हुए भी उन्होंने एक अजेय साम्रज्य के राजा (भगवन श्री राम) द्वारा अपनी पत्नी सीता को राज्य से निर्वासित कर दिया, उस समय उन्होंने अजेय साम्राज्य के कोपभाजन बनने की परवाह नहीं करते हुए निर्दोष माँ सीता को अपने आश्रम में शरण निर्भीकता के साथ सच्चाई का साथ दिया । भविष्य में अवध साम्राज्य के अजेय सेना से सामना होगा ही यह जानते हुए उन्होंने माँ सीता के दोनों पुत्रो लव और कुश को युद्ध शास्त्र की इतनी श्रेष्ठ शिक्षा दी की उन दोनों बालको ने ही अवध की अजेय सेना को परास्त कर दिया । भगवन राम की अवतरित होने से पहले ही उन्होंने भगवन राम के चरित्र (रामायण) को लिख दिया था, इस रामायण का सस्वर कंठस्त वचन लव कुश ने अवधपुरी में जाकर भगवन राम के दरबार में किया था । सभी कार्यक्रमों का आयोजन व सम्पूर्ण व्यवस्था स्थानीय अनुसूचित जनजाति समाज के बंधुओ द्वारा ही की गई! पृथक पृथक सम्पन्न हुए 16 कार्येक्रमो में 150 से 250 तक की उपस्थिति रही । कार्यक्रम के अंत में सामूहिक प्रसाद ग्रहण (भोजन) का कार्यक्रम हुआ ।

आनंदपुरी केंद्र पर हवन एवं यज्ञ करते ग्रामीण जन

माताएं एवं बहिनें वाल्मीकि जयन्ती पर हवन यज्ञ करते हुए

शिशु संगम, बाल संगम एवं व्यक्तित्व विकास शिविर

बांसवाड़ा परियोजना द्वारा संचालित विद्यालयों का तीन दिवसीय सांस्कृतिक, खेलकूद प्रतियोगिताओ का आयोजन वार्षिक पंचांग के अनुसार 42 स्थानों पर शिशु संगम (कक्षा 2 तक) 41 स्थानों पर बाल संगम (कक्षा 3 से 8 तक) एवं 6 स्थानों पर व्यक्तित्व विकास शिविर (कक्षा 9 से 12 तक) सम्पन्न हुये । कुल 89 स्थानों पर संपन्न इन कार्यक्रमों में कुल 12251 छात्र छात्राए 808 शिक्षक एवं 2485 स्थानीय ग्रामवासियों की उपस्थिति रही । छात्राओं के लिए प्रस्थान पर बाल संगम एवं 2 स्थानों पर व्यक्तित्व विकाश शिविर में कल 1717 छात्रों की उपस्थिति रही । उद्घाटन कार्यक्रम के पूर्व में गावो में छात्र - छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट किया गया । उसके बाद आयु वर्ग के अनुसार खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम क्विज प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया । उद्घाटन व समापन सत्र में स्थानीय जनप्रतिनिधियों शासकीय अधिकारियो संतो व ग्रामवासियों के साथ ही बांसवाड़ा परियोजना के प्रमुख कार्येकर्ताओ की उपस्थिति रही छात्र छात्रों के लिए अलग अलग कुल 89 स्थानों पर संपन्न इन कार्येक्रमों की सम्पूर्ण व्यवस्था स्थानीय विद्यालयो की समितियों (ग्रामवासियों) द्वारा की गई । संपन्न सभी 89 कार्यक्रम स्थल गांव ही थे! कार्यक्रम के पश्चात बची हुई खाद्य सामग्री बांसवाड़ा परियोजना द्वारा संचालित छात्रावासो में भिजवा दी गई ।

पृथ्वीपुरा पर बहनों द्वारा शोभयात्रा

आनंदपुरी केंद्र पर कबड्डी प्रतिस्पर्द्धा

शिशु संगम का विहंगम दृश्य

छोटी सरवन केंद्र पर वॉलीबॉल प्रतियोगिता

This email was sent to <<Email Address>>
why did I get this? unsubscribe from this list update subscription preferences

Subscribe | Past Issues | Translate

INTUIT mailchimp